समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

रामदास अठावले का दावा : राहुल गांधी नेतृत्व मे कांग्रेस के लिए कोई भविष्य नहीं

Sanket Morankar Published on 26 Sep 2025

केंद्रीय मंत्री और दलित नेता रामदास अठावले ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी की वर्तमान स्थिति और राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर विवादित टिप्पणी की है। अठावले का कहना है कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में पुनः एक मजबूत विपक्षी पार्टी नहीं बन पाएगी, और पार्टी की लगातार हार और संगठनात्मक कमजोरी इस बात का संकेत हैं कि भविष्य में कांग्रेस की राह आसान नहीं होगी।

अठावले ने पिछले कुछ समय में कई मौकों पर इस तरह की बात रखी है। उन्होंने कहा है कि विपक्ष एकजुट नहीं है, कांग्रेस पार्टी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पा रही है, और राहुल गांधी के प्रति लोगों में विश्वास कम हो गया है। उनके अनुसार, पार्टी को बदलने की ज़रूरत है — या तो नया नेतृत्व निर्धारित होना चाहिए या अंदरूनी सुधारों के ज़रिये पार्टी को पुनर्स्थापित करना होगा।

अठावले ने विशेष रूप से उन राज्यों में कांग्रेस की हारों को उदाहरण के तौर पर पेश किया जहाँ पार्टी ने उम्मीदों से कम प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की हार सिर्फ मतदाताओं की नाराज़गी का संकेत नहीं है, बल्कि यह भी बताती है कि कांग्रेस ने समय के साथ जनता के मुद्दों से दूरी बना ली है। युवा वर्ग, कारीगर, किसान और नौकरीपेशा लोगों की आकांक्षाएँ बदल गई हैं, लेकिन कांग्रेस अपनी नीतियों और संदेशों में पर्याप्त परिवर्तन नहीं कर पाई है।

उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने अनेक बार विपक्षी एकजुटता की कोशिश की है, लेकिन यह प्रयास विफल रहा क्योंकि पार्टी अंदरूनी मतभेदों, संगठनात्मक कमज़ोरियों और रणनीतिक विमर्श की कमी से ग्रस्त है।

रामदास अठावले ने कहा कि कांग्रेस की असमर्थता का एक मूल कारण है नेतृत्व की शैली और संगठनात्मक कोर का कमजोर होना। उन्होंने तर्क दिया कि पार्टी में निर्णय-प्रक्रियाएँ केंद्रीकृत हैं, सीनियर नेताओं की भूमिका सीमित होती है, और प्रदेश इकाइयों में शक्ति हस्तांतरण नहीं हो पा रहा है।

उनका मानना है कि जब किसी पार्टी में नेतृत्व में धार और स्पष्ट दिशा न हो, तो चुनावी परिणामों में सुधार संभव नहीं होता। उन्होंने यह उदाहरण दिया कि पार्टी प्रचार, जन संपर्क और[?][?] संगठन में उतनी सक्रिय नहीं है जितना कि भाजपा या अन्य राजनीतिक

गुट हैं।

रामदास अठावले के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस के समर्थक यह कहते हैं कि अठावले का बयान केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा कांग्रेस को कमजोर करने की रणनीति है।

कांग्रेस के कुछ नेताओं ने कहा कि पार्टी धोखे में नहीं है और समय के साथ उसने आत्म-चिंतन भी किया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि राहुल गांधी ने हाल ही में विभिन्न राज्यों में युवा नेताओं को जिम्मेदारियाँ दी हैं और नीतियों में बदलाव की दिशा में कदम उठाए हैं।

वहीं मीडिया विशेषज्ञों ने कहा है कि अठावले का बयान सार्वजनिक धारणा को प्रतिबिंबित करता है — जो तथ्य है कि कांग्रेस लगातार विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा की तुलना में कम सीटें जीत रही है और विपक्षी बासी समुदायों में उसकी पहुँच कमजोर होती जा रही है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस विषय पर क्या रणनीति अपनाती है। यदि पार्टी राहुल गांधी नेतृत्व में बने रहना चाहती है, तो उसे संगठनात्मक सुधार, संवाद की बेहतर रणनीति और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप घोषणाएँ करना चाहिए।

यदि नहीं, तो आंतरिक बदलाव या नया नेतृत्व चर्चा में आ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस को राज्यों में मिलकर काम करने वाले गठबंधनों का निर्माण करना चाहिए, जहाँ स्थानीय स्तर पर पार्टी की श्रेष्ठता हो, और केंद्र के मुद्दों से अधिक जमीन स्तर पर लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता मिले।

रामदास अठावले का बयान “राहुल गांधी नेतृत्व में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है” स्पष्ट करता है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में कांग्रेस के सामने चुनौतियाँ बहुत बड़ी हैं। जबकि पार्टी के भीतर परिवर्तन की दृष्टि से सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं, लेकिन हार और संगठनात्मक कमजोरी जैसे मुद्दे स्पष्ट हैं।

अगर कांग्रेस समय रहते सुधार न करे, तो राष्ट्रीय स्तर पर उसकी भूमिका कमजोर होती जाएगी। वहीं, यदि सुधार सही दिशा में हो, जनता के मुद्दों पर पार्टी ज़्यादा केंद्रित हो, और नेतृत्व में पारदर्शिता बढ़े, तो कांग्रेस अपने अस्तित्व को फिर से मजबूत कर सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.